RNI Title Code : MPBIL02445

सेवा मंथन

वर्ष 2 अंक 13 (पाक्षिक) इन्दौर, 1 से 15 जुलाई 2022 पृष्ठ 8 मूल्य 10 रुपये

एकनाथ शिंदे लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

मंत्रिमंडल से बाहर रहेंगे देवेंद्र फडणवीस, हिंदुत्व के मुद्दे पर साथ आई भाजपा

मुंबई। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा-शिवसेना और 16 निर्दलियों ने राज्यपाल को सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इसके लिए राज्यपाल को विधायकों के समर्थन वाला पत्र दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा पॉवर के पीछे नहीं है, हम मुख्यमंत्री बनने के लिए इनके साथ नहीं जा रहे हैं, हम हिंदुत्व के मुद्दे की वजह से उनके साथ जा रहे हैं। ऐसे में भाजपा ने निर्णय किया है कि एकनाथ शिंदे को हम समर्थन देंगे।

देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि एकनाथ शिंदे शाम 7 बजकर 30 मिनट पर शपथ लेंगे और आने वाले दिनों में हम मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे और मैं मंत्रिमंडल के बाहर रहूंगा।2019 में भाजपा और शिवसेना साथ में चुनाव लड़ी। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमें पूर्ण बहुमत मिला। भाजपा को 106 और शिवसेना को 56 सीटें मिलीं। इसके साथ ही कई अन्य लोग हमारे साथ आए थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने चुनाव के दरमियान मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम का ऐलान भी किया था। सभी को यह मंजूर था। किंतु चुनाव के बाद शिवसेना के नेताओं ने यह निर्णय किया कि हिंदू उदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे जी ने जिन विचारों का जीवनभर विरोध किया, जीवनभर जिनसे लड़ाई की और जिनके लिए वो कहते थे कि अगर इनके साथ जाना पड़ा तो मेरी दुकान बंद कर दूंगा, ऐसे लोगों के साथ गठबंधन किया और उसके बाद ढ़ाई साल तक हमने एक सरकार देखी। जिसमें न कोई तत्व थे, न कोई विचार थे, न कोई गति थी, न कोई प्रगति थी। उन्होंने कहा कि जो सरकार चालू इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट बंद कर रही थी, जो सरकार लगातार भ्रष्टाचार के आरोपों से लिप्त थी, जिस सरकार के दो मंत्री धनशोधन मामले में जेल में गए, दाऊद के साथ रिश्ते के आरोप मंत्री पर लगे, जेल में जाने के बावजूद मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाया नहीं गया तो एक प्रकार से पथभ्रष्ट, ऐसी सरकार जिसका भाजपा ने लगातार विरोध किया, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में कांग्रेस-एनसीपी की सरकार चली। जिसको लेकर शिवसेना के विधायकों में भारी आक्रोश था।फडणवीस ने बताया कि शिवसेवा विधायकों को लगता था कि वापस वोट मांगने जाना है और आज तक जो बातें कहीं उसके विरोध में काम हो रहा है। जिनके खिलाफ जिंदगीभर लड़े उनके साथ बैठे हैं, ऐसे में वोट कैसे मांगेंगे। साथ ही उनके विधानसभा में जो हारे उन्हें पैसा मिलता था। जिसको लेकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना विधायकों ने एक ही मांग की कि कांग्रेस-एनसीपी के साथ हम नहीं रह सकते, ऐसे में यह गठबंधन तोड़ा जाए। ऐसे में उनकी मांग पूरी नहीं हुई।

SC के आदेश के बाद उद्धव ने महाराष्ट्र सीएम के पद से दिया इस्तीफा, फेसबुक लाइव पर आकर किया ऐलान

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस्तीफे के ऐलान कर दिया है। फेसबुक लाइव में जनता से बात करते हुए उद्धव ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे रहा हूं। महाराष्ट्र सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि एनसीपी और कांग्रेस के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मेरा साथ दिया। आज शिवसेना से सिर्फ मैं, अनिल परब, सुभाष देसाई और आदित्य ये चार ही लोग उस प्रस्ताव के पास होने के समय मौजूद रहे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं अप्रत्याशित तरीके से (सत्ता में) आया था और मैं इसी तरह से बाहर जा रहा हूं। मैं हमेशा के लिए नहीं जा रहा हूं, मैं यहां रहूंगा, और मैं एक बार फिर शिवसेना भवन में बैठूंगा। मैं अपने सभी लोगों को इकट्ठा करूंगा। मैं सीएम और एमएलसी के पद से इस्तीफा दे रहा हूं।उद्धव ठाकरे ने कहा कि आज मंत्रिमंडल की बैठक हुई, मुझे इसका संतोष है कि बालासाहेब ठाकरे ने जिन शहरों का जो नाम रखा था, औरंगाबाद का नाम संभाजीनगर और उस्मानाबाद का नाम धाराशिव आज हमने उनको वे नाम आधिकारिक तौर पर दिए हैं। आज कैबिनेट समाप्त होने के बाद अशोक चव्हाण ने मुझे कहा कि हम आपके साथ हैं अगर इसलिए दिक्कत हो रही है तो हम महा विकास आघाडी के बाहर जाते हैं और आप को बाहर से समर्थन देते हैं लेकिन मैंने कहा नहीं ऐसा नहीं होता।

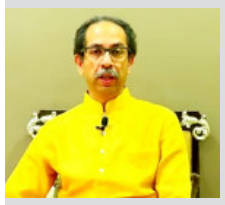

जी7 समूह दूसरों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करता है-संयुक्त बयान

एल्माउ (जर्मनी)। जी7 समूह और भारत सहित उसके पांच सहयोगी देशों के नेताओं ने सोमवार को कहा कि वे एक नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहते हैं और अन्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता एवं संप्रभुता का सम्मान करते हैं। इन नेताओं ने कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निहित सिद्धांतों का सम्मान करते हैं।

उन्होंने शांति, मानवाधिकारों और कानून के शासन की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। एक अंतर-सरकारी राजनीतिक समूह जी7 ने एक संयुक्त बयान में लोकतंत्र के सिद्धांतों और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रत्येक देश में मौजूद राष्ट्रीय कानूनों और नियमों के महत्व को स्वीकार किया।इसमें कहा गया है, ''हम, जर्मनी, अर्जेंटीना, कनाडा, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के नेता हमारे लोकतंत्रों को मजबूत करने और समानता की दिशा में काम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।''

इसमें कहा गया है, ''जलवायु परिवर्तन और

कोविड-19 महामारी सहित वैश्विक चुनौतियों के लिए समावेशी और स्थायी समाधान और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।''बयान में कहा गया है, ''हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतरराष्ट्रीय कानून , मानवाधिकार, कानून के शासन, मानव सुरक्षा और लैंगिक समानता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं, और हमारे अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से इन प्रयासों में शामिल होने का आह्वान करते हैं।'' इसमें कहा गया है, ''हम लोकतांत्रिक व्यवस्था के उन सभी समर्थकों का स्वागत करते हैं जो उत्पीड़न और हिंसा के खिलाफ खड़े होते हैं। हम शांति और समृद्धि के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारों के साथ जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

पीएम सम्मान निधि में अब मिलेंगे 4 हजार

भोपाल। पीएम किसान सम्मान निधि लाभार्थियों के लिए केंद्र सरकार नई योजना के तहत रजिस्ट्रेशन में बदलाव करने जा रही हैं। आपको बता दे कि नए नियमों के मुताबिक़ नए रजिस्ट्रेशन के लिए राशन कार्ड को अनिवार्य किया गया है। इससे लाभार्थी को इस योजना का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड नंबर को साथ में जोडा होगा। किसानों को पीएम किसान निधि की 12वीं किस्त का इंतजार है। ऐसे में जिन लाभार्थियों की पिछली किस्त नहीं आई है, उन्हे दोनों किस्तों को जोड़कर 4000 रूपए दिए जाएंगे। लेकिन आपको बता दें कि यह सुविधा उन किसानों को ही मिलेगी जिन्होंने रजिस्ट्रेशन करवाया है। लेकिन ये तभी संभव जब आपके आवेदन को स्वीकार किया गया है।

देश में जल्द उपलब्ध हो सकती है सर्वाइकल कैंसर और टाइफाइड की वैक्सीन

नई दिल्ली। देश में सर्वाइकल कैंसर और टाइफाइड की वैक्सीन जल्दी ही उपलब्ध हो सकती है। सरकार के सलाहकार समूह एनटीएजीआई ने इनके टीकों से जुड़े आंकड़ों की जांच पड़ताल के बाद इनका वैक्सीनेशन शुरू किए जाने की सिफारिश की है, सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ ये देश की पहली वैक्सीन होगी। सर्वाइकल कैंसर भारत में 15 से 44 वर्ष की आयु की महिलाओं में दूसरा सबसे ज्यादा होने वाला कैंसर है। ऐसे में यह वैक्सीन बहुत मददगार साबित हो सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के एक एचपीवी कार्य समूह ने 8 जून को अपनी बैठक में टीके की उपयोगिता की पड़ताल की थी। इस दौरान राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करने के मकसद से इन टीकों के क्लिनिकल परीक्षण के आंकड़ों का आंकलन किया गया था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति ने इसके बाद 15 जून को टीके की मार्केटिंग की मंजूरी देने की सिफारिश की। हालांकि ड्रग कंट्रोलर डीसीजीआई की मंजूरी का अभी इंतजार है।

नशा मुक्त गाँव को प्रदान किया जाएगा 2 लाख रूपए का पुरस्कार–मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि समरस पंचायतों में नशा मुक्ति का अभियान चलाया जाए। नशा मुक्त गाँव को विशेष रूप से 2 लाख रूपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। ग्राम को नशा मुक्त बनाने के लिए आपसी बातचीत और विभिन्न प्रेरणास्पद गतिविधियों से वातावरण निर्मित किया जाए। यह सुनिश्चित करें कि हमारी पंचायतें 'बेटी फेंडली' हों। समरस पंचायतों सहित सभी पंचायतों में बेटियों का मान, सम्मान और इज्जत बढ़े। बेटा-बेटी को बराबर माना जाए। माँ, बहन, बेटी की तरफ गलत नजर से देखने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। समरस पंचायतों को अपने काम से पूरे देश में उदाहरण प्रस्तुत करना है। जनता की सेवा, गाँव का विकास, आँगनवाड़ी, स्कूल, पंचायत, सामुदायिक भवन का व्यवस्थित और परिणाममूलक संचालन हमारी प्राथमिकता हो। हम

यह सुनिश्चित करें कि हमारी पंचायत में कोई बच्चा कुपोषित नहीं रहे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान मुख्यमंत्री निवास परिसर में निर्विरोध निर्वाचन द्वारा समरस पंचायतों का गठन करने वाले प्रतिनिधियों के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पंचायत प्रतिनिधियों को निर्विरोध निर्वाचित करने वाले ग्रामवासियों का आभार माना।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नारी सशक्तिकरण को समर्पित गीत की ध्वनि के साथ दीप प्रज्ज्वलन तथा कन्या-पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री निवास आये पंचायत प्रतिनिधियों का मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया, सांसद रमाकांत भार्गव, पूर्व मंत्री रामकृष्ण कुसमरिया, विधायक सीताराम आदिवासी सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में सरपंचों द्वारा मुख्यमंत्री श्री चौहान का अभिनंदन किया गया। नर्मदापुरम जिले की तहसील बनखेड़ी की ग्राम पंचायत उमरधा की निर्विरोध निर्वाचित सरपंच सुश्री जागृति सिंह जूदेव और सीहोर जिले के बुधनी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत चिपरी के निर्विरोध निर्वाचित सरपंच अमित चौहान ने अपने अनुभव तथा ग्राम विकास को लेकर अपनी प्राथमिकताएँ और कार्य-योजना प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 630 सरपंच, 157 जनपद पंचायत सदस्य और एक जिला पंचायत सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। किसी भी पंचायत में सरपंच का निर्वाचन निर्विरोध रूप से होने पर 5 लाख रूपए, सरपंच पद के लिए वर्तमान और पिछला निर्वाचन निरंतर निर्विरोध होने पर 7 लाख रूपए तथा सभी पंच और सरपंच निर्विरोध निर्वाचित होने पर 7 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार पंचायत में सरपंच एवं पंच के सभी पदों पर महिलाओं का निर्वाचन होने पर पंचायत को 12 लाख रूपए और पंचायत में सरपंच एवं पंच के सभी पदों पर महिलाओं का निर्वाचन निर्विरोध होने पर पंचायत को 15 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि देश में सर्वप्रथम मध्यप्रदेश में ही पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। महिलाओं में नेतृत्व क्षमता के साथ कर्मठता की कोई कमी नहीं है। इंदौर ने महिला महापौर के नेतृत्व में स्वच्छता के क्षेत्र में देश में कीर्तिमान स्थापित किया है। ग्राम पंचायतों में निर्वाचित महिला पंचायत प्रतिनिधि जनता की सेवा और गाँव के विकास में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि समरस पंचायतों को अपनी प्राथमिकता तय कर कार्य करना होगा। हम यह प्रण लें कि गाँव में कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं होगा। यदि कोई विवाद होता है तो उसे बातचीत से सुलझाया जाएगा, जिससे हम अपना समय और पैसा कोर्ट-कचहरी में बर्बाद नहीं होने देंगे। साथ ही यह भी हमारी प्राथमिकता हो कि केन्द्र और राज्य की सभी योजनाओं का लाभ पंचायत के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उपलब्ध कराया जाए। ग्राम पंचायत में सभी लोग मिल-बैठकर अगले पाँच साल की विकास की कार्य-योजना तय करें और उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

पत्नी स्वादिष्ट खाना बनाए तो धन्यवाद दें-आचार्य प्रज्ञासागर

इन्दौर। परिवार टूटने का एक कारण हमें अपनों को धन्यवाद न कहने की आदत भी है। घर में पत्नी कभी भोजन स्वादिष्ट बना दे तो तुरंत धन्यवाद कहने की आदत डालो। हम होटल में जरा सा अच्छा खाते हैं तो वेटर को टिप के साथ धन्यवाद कहकर आते हैं तो पत्नी को क्यों नहीं कहते। वह परिवार में संस्कारों का बीजारोपण करती है। स्त्री को सिर्फ तारीफ सुनना पसंद है। बस आप कभी थोड़ी सी प्रशंसा कर दो और देखो घर स्वर्ग सा हो जाएगा। यह बात आचार्य प्रज्ञासागर ने वैभव नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में कही। वे धर्मसभा में समाजजन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्त्री के विपरीत पुरुष सेवा चाहता है। पुरुष जब अपने कार्य स्थल से घर आए तो चाय और पानी बिना बोले दे दो। समय पर गर्म भोजन मिले तो वह भी स्वयं को खुशनसीब समझेगा। इस अवसर पर श्रावक-श्राविकाओं को गर्भ संस्कार विधि का प्रशिक्षण दिया गया।

उज्जैन-बुधनी में खुलेंगे मेडिकल कालेज, कैबिनेट की बैठक में होगा फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए अब उज्जैन और सीहोर जिले के बुधनी में मेडिकल कालेज खोले जाएंगे। बुधनी में मेडिकल कालेज के साथ-साथ पांच सौ बिस्तर का अस्पताल, नर्सिंग और पैरामेडिकल कालेज भी खुलेगा। इसके लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उज्जैन में सौ एमबीबीएस सीट प्रवेश क्षमता का मेडिकल कालेज स्थापित किया जाएगा। इसके निर्माण में 260 करोड़ रुपये व्यय संभावित है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि होशंगाबाद, इटारसी, पिपरिया, बैतूल और आसपास के क्षेत्रों की भोपाल, जबलपुर और छिंदवाड़ा में स्थित चिकित्सा महाविद्यालयों से दूरी अधिक है।

इसे देखते हुए बुदनी तहसील में सौ एमबीबीएस सीट प्रवेश क्षमता का चिकित्सा महाविद्यालय, पांच सौ बिस्तर क्षमता का संबद्ध अस्पताल, नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए 60 सीट प्रवेश क्षमता का पैरामेडिकल कालेज स्थापित करना प्रस्तावित है। इससे शासन पर 624 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आएगा।

किसानों के समूह से लगवाएंगे ग्रेडिंग-पैकेजिंग की यूनिट-किसानों को उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दे रही है। अगली योजना किसानों के समूह बनाकर ग्रेडिंग और पैकेजिंग यूनिट लगाने की है। इन समूहों को न सिर्फ बैंक से दो करोड़ रुपये तक ऋण दिलाया जाएगा, बल्कि तीन प्रतिशत ब्याज अनुदान भी सात साल तक उपलब्ध कराया जाएगा। कृषि विभाग ने केंद्र सरकार की कृषि अधोसंरचना निधि के संचालन के लिए यह योजना तैयार की है। इसे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रस्तावित कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा।

ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा परियोजना से प्राप्त बिजली की दर होगी तय-बैठक में ओंकारेश्वर जलाशय पर छह सौ मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सौर परियोजना से प्राप्त होने वाली बिजली की प्रस्तावित दर को लेकर निर्णय लिया जाएगा। पहले चरण में तीन सौ मेगावाट की तीन इकाइयों के लिए निविदा जारी की गई थी। इसमें तीन रुपये 21 पैसे से लेकर तीन रुपये 26 पैसे तक प्रति यूनिट बिजली की दर प्राप्त हुई है। यह अन्य परियोजना की तुलना में अधिक है, इसलिए इसे स्वीकार किया जाए या नहीं, इस पर कैबिनेट में अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

3 साल में बिना गारंटी वाले 1.85 लाख ट्रांसफार्मर फेल

भोपाल। प्रदेश में बिजली से जहां आम उपभोक्ताओं को चपत लग रही है, वहीं कंपनी के अधिकारी मालामाल हो रहे हैं। यहां कमीशन के फेर में जरूरत से ज्यादा खरीदी कर ली जाती है, फिर उसे गोदामों में रखकर कबाड़ बना दिया जाता है। इन उपकरणों को जब काम में लिया जाता है तो ये जल्दी ही खराब हो जाते हैं। गारंटी खत्म होने की स्थिति में मरम्मत का खर्च सरकार को

उठाना पड़ता है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश में तीन साल में 1.85 लाख ऐसे ट्रांसफार्मर फेल हुए, जिनकी गारंटी खत्म हो चुकी थी। जबकि इसी दौरान गारंटी पीरियड वाले मात्र 31 हजार ट्रांसफार्मर ही खराब हुए।

गोदामों में रखे कितने उपकरण और मशीनरी कबाड़ हो चुकी हैं। तब सामने आया था कि इन उपकरणों में कइयों की गारंटी खत्म हो चुकी है या जल्द ही खत्म होने वाली है। उस दौरान इन सामानों की कुल कीमत 500 करोड़ आंकी गई थी। फिर छह बाद जब जानकारी निकाली गई तो स्थिति जस की तस थी। इधर, इतने बड़े पैमने पर इन उपकरणों की खरीदी के पीछे कमीशनखोरी का खेल भी सामने आ रहा है।यहां सवाल यह भी है कि जब पिछली खरीदी के उपकरणों का ही उपयोग नहीं हुआ था तो नई खरीदी क्यों की गई और वह भी कर्ज लेकर।

ट्रांसफार्मर पर तीन साल की गारंटी-हर टांसफार्मर पर तीन साल की गारंटी होती है। अगर उसकी गारंटी पीरियड खत्म हो रही है तो इसका मतलब है कि इसकी खरीदी तीन साल पहले हुई थी। इसी तरह सैकड़ों डिजिटल मीटर भी बेकार हो गए हैं, जिसकी गारंटी साढ़े पांच साल के लिए थी।

सरकार को चूना-प्रदेश में अफसरों की कमीशनखोरी और लापरवाही सरकार को हर साल करोड़ों का चूना लग रहा है। कर्ज लेकर खरीदी, ब्याज का बोझ और उपकरणों की बर्बादी व रखरखाव पर खर्च से नुकसान हो रहा है।

पॉश कालोनियों में भी हालात खराब, कहीं जलजमाव तो कहीं दूषित पानी

इंदौर। करीब 17 हजार जनसंख्या वाला वार्ड क्र. 29 मिश्रित वार्ड है। इस वार्ड में स्कीम 54 और 74 जैसी पाश कालोनियां हैं तो वर्षों से सड़कों के लिए तरसता मैकेनिक नगर जैसा इलाका भी इसी वार्ड में है। वर्षाकाल में यह वार्ड छोटे-मोटे तालाब का रूप ले लेता है। स्कीम 54 हो या 74 सड़कों पर हर जगह पानी जमा हो जाता है। हालात इतने खराब हो जाते हैं कि लोगों के लिए घरों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। वर्षों से यहां के रहवासी स्टार्म वाटर लाइन डालने की मांग कर रहे हैं। अब जब मानसून इंदौर पहुंच चुका है, इस वार्ड में स्टार्म वाटर लाइन डालने का काम शुरू हुआ है।

जगह-जगह सड़कें खोदी पड़ी हैं। इस वार्ड में वर्षाजल निकासी का इंतजाम नहीं है। रहवासी वर्षों से परेशान हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति मैकेनिक नगर क्षेत्र की है। इस वार्ड में विजय नगर, स्कीम 54, स्कीम 74 के सभी सेक्टर, मैकेनिक नगर, मैकेनिक नगर एक्सटेंशन, ऐरन हाउस, सफायर हाउस, सतगुरु बिल्डिंग, एचआइजी क्वार्टर आदि इलाके शामिल हैं। वार्ड नंबर 29 यानी एक ऐसा वार्ड, जिसमें आइडीए की पाश कालोनियां स्कीम 54 और 74 शामिल हैं, लेकिन यह वार्ड सुविधाओं के मामले में पाश नहीं है। रहवासियों की सबसे बड़ी समस्या पानी है। नलों में आने वाला पानी इतना गंदा होता है कि बगैर फिल्टर किए उसे पी नहीं सकते हैं। वर्षाकाल में सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। इसी वार्ड में आता है मैकेनिक नगर। दिनभर वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। दुकानों के बाहर वाहन खड़े रहते हैं। मैकेनिक नगर में सड़कों के नाम पर तो कुछ है ही नहीं। लोगों का कहना है कि उन्होंने यहां कभी सड़क बनते नहीं देखी। वर्षाकाल में पूरा मैकेनिक नगर एक टापू का रूप ले लेता है। इस वार्ड की कालोनियों में सबसे बड़ी समस्या पीने के पानी की है।

2023 में दौड़ेगी मेट्रो अभी 30 पिलर बनने बाकी

भोपाल।एम्स से सुभाष नगर रेलवे ब्रिज के आगे तक करीब छह किमी मेट्रो ट्रैक में अभी 30 पिलर, 15 सेगमेंट और रेलवे ब्रिज का काम होना बाकी है। वीर सावरकर सेतु से गणेश मंदिर की ओर रेलवे लाइन पर ट्रैक बिछेगा। इसका काम प्रक्रियाओं में है। हालांकि आजाद नगर समेत जमीन से जुड़ी दिक्कतें फिलहाल दूर कर ली गई हैं। 2023 में आमजन के लिए छह किमी के शुरुआती हिस्से में मेट्रो शुरू करना है और इसके लिए काम में तेजी लाना होगी। सेगमेंट बिछने के बाद रेलवे ट्रैक ओर फिर सिग्नलिंग का काम करना है। एम्स से सुभाष ब्रिज के आगे तक मेट्रो के आठ स्टेशन बनना है, जिसमें से चार का जमीनी काम शुरू हो चुका है। हाल में मेट्रो रेल कारपोरेशन की एमडी छवि भारद्वाज ने स्टड फार्म पर डिपो व स्टेशन के काम का मुआयना किया था। एमपी नगर से लेकर साकेत नगर, एम्स की ओर स्टेशन के लिए खुदाई की जा रही है।

अभी तक ये है

: 197 पिलर बन गए हैं।
: 227 पिलर बनना है।
: 176 सेगमेंट डाले जा चुके हैं।
: 06 किमी का ट्रैक 2023 तक शुरू करना है।

इंदौर शहर में निगम तैयार करेगा 20 आदर्श मतदान केंद्र

इंदौर। इंदौर नगर निगम द्वारा शहर में 20 आदर्श मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इन केंद्रों को गुब्बारों व रंगोली से सजाया जाएगा। यहां आने वाले मतदाताओं को लाइन में न लगना पड़े, इसके लिए वेटिंग एरिया भी बनाया जाएगा। इन केंद्रों पर महिलाओं व धात्री माताओं के लिए अलग से विशेष आंचल कक्ष भी बनाया जाएगा। निगम द्वारा शहर में प्रमुख स्थानों को चिह्नित कर वहां पर आदर्श मतदान केंद्र बनाने की कवायद की जा रही है।

आयुक्त ने मतदात केंद्रों की तैयारी का किया-निरीक्षण नगर निगम चुनाव के लिए शहर में 903 भवनों में 2250 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। बुधवार को निगमायुक्त प्रतिभा पाल ने चुनिंदा मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर वहां मौजूद सुविधाओं का निरीक्षण किया। गौरतलब है कि मतदान केंद्रों पर स्लोप, बैठक व्यवस्था व अन्य सुविधाओं के लिए नगर निगम द्वारा व्यवस्था की जा रही है।

मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश-निगम आयुक्त प्रतिभा पाल ने सबसे पहले जंजीरवाला चौराहे के पास स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल में बनाए जा रहे मतदान केंद्र के निरीक्षण के लिए पहुंची। इसके पश्चात उन्होंने गोमा की फेल स्थित विद्यालय क्रमांक 27, झोन क्रमांक 11 अंतर्गत बख्तावर नगर स्थित सेंट पाल स्कूल, सेंट अर्नाल्ड स्कूल, लोक सेवा आयोग कार्यालय, मनोरमागंज स्थित जागृति स्कूल के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

पूरी तरह पेपरलेस होगा बिलिंग सिस्टम

भोपाल। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी यह घोषणा कर चुकी है कि वह आने वाले दो माह में 15 जिला मुख्यालयों में बिलिंग सिस्टम को पूरी तरह से पेपरलेस कर देगी। कंपनी 15 जिला मुख्यालय के बिजली बिल में लगने वाले कागजों की खपत को खत्म कर एक माह में ही ना केवल 1 लाख पेड़ कटने से बचाएगी, बल्कि 1.40 करोड़ लीटर पानी भी वेस्ट होने से बचेगा। पर्यावरण विशेषज्ञ व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व मुख्य प्रयोगशाला अधिकारी डॉ. डीके वाघेला ने बताया कि एक टन ए-4 साइज का पेपर बनाने के लिए 17 पेड़ काटना पड़ते हैं। वहीं बिजली कंपनी पेपरलेस बिल सिस्टम लागू करने से 14 लाख पेपर की हर माह बचत करेगी। इस हिसाब से देखें तो 14 लाख पेपर का वजन 6 हजार 104 टन होता है। इतने टन पेपर बनाने के लिए लगभग 1 लाख 3 हजार 768 पेड़ कटेंगे। कंपनी पेपर लेस बिल योजना से इतने ही पेड़ हर महीने काटने से बचाएगी।

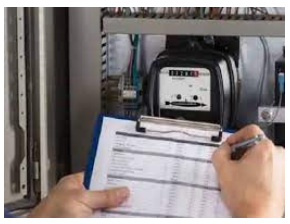

1.40 करोड़ लीटर पानी की होगी बचत-पर्यावरण विशेषज्ञों की माने तो कागज की एक ए-4 साइज शीट बनाने के लिए 10 लीटर पानी का उपयोग किया जाता है। इस तरह बिजली कंपनी हर माह 1.40 करोड़ लीटर पानी को वेस्ट होने से बचाएगी। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कागज बनाते समय पानी का पुनः उपयोग नहीं किया जाए तो पानी की यह वैल्यू डबल से ज्यादा हो जाएगी। बता दें कि एक पेड़ सालाना 117 किलोग्राम ऑक्सीजन पैदा करता है और 22 किलोग्राम कार्बन सोख लेता है।

कंपनी हर माह बचाएगी 22 लाख रुपए-बिजली कंपनी को पेपर लेस बिजली बिल सिस्टम लागू करने से हर माह लगभग 22 लाख 40 हजार रुपए की बचत होगी। कंपनी के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार कंपनी को 14 लाख बिल की प्रिंटिंग और उसके वितरण पर प्रति बिल 1 रुपए 60 पैसे का खर्च आता है। कंपनी अधिकारियों का कहना है कि कंपनी को पेपर और प्रिंटिंग में 60 पैसे का खर्च आता है। यह सस्ता इसलिए पड़ता है, क्योंकि उसे बिल के आगे और पीछे छापने के लिए हर माह विज्ञापन मिलते हैं।

बिजली कंपनी की यह है योजना-मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर सहित उज्जैन, रतलाम, देवास, शाजापुर, आगर, धार, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, झाबुआ, आलीराजपुर, मंदसौर और नीमच जिला मुख्यालयों पर अगले 2 माह में पेपर लेस बिल सिस्टम शुरू करने जा रही है। बिजली कंपनी के इंदौर सहित इन सभी 15 जिला मुख्यालय वाले शहरों में कुल 14 लाख बिजली उपभोक्ता है।

जिन स्कूलों में सीट से अधिक आवेदन... वहां लॉटरी से प्रवेश

भोपाल। प्रदेश में बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के उद्देश्य से शुरू किए गए सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। जिन स्कूलों में सीट से अधिक आवेदन आएंगे, उन स्कूलों में लॉटरी पद्धति से प्रवेश दिया जाएगा। भोपाल में भी सभी 9 सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में अच्छा प्रतिसाद देखने को मिल रहा है। सीएम राइज स्कूलों में केजी-1 में चार और केजी-2 में पांच वर्ष के बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा। इन स्कूलों में नर्सरी से प्रवेश नहीं होगा। डीपीआई की ओर से जारी प्रवेश नीति के तहत केजी-1 (उदय) और केजी-2 (अरुण) की कक्षाएं संचालित की जाएंगी। प्रवेश के लिए

30 जून तक आवेदन लिए जा रहे हैं। इसके बाद लॉटरी के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश नीति के तहत क्षमता से अधिक बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जा सकता है। 30 जून तक सभी सीएम राइज स्कूलों को अपनी शेष रिक्त सीटों की जानकारी देना होगी। सभी स्कूलों को कक्षा वार रिक्त सीटों की सूचना चस्पा करना होगी।

आधी-अधूरी व्यवस्थाओं के साथ चल रहे हैं सीएम राइज स्कूल-प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीएम राइज स्कूल की जो परिकल्पना की है उसे अफसरों की भर्राशाही ने पलीता लगा दिया है। सीएम राइज स्कलों के माध्यम से सरकार ने शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए 7,000 करोड़ के बजट का प्रावधान किया है। लेकिन यह बजट भी 'भाग्यऽ बदलता नजर नहीं आ रहा है। गौरतलब है कि सर्वसुविधायुक्त सीएम राइज स्कूलों की परिकल्पना दो साल पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी। इन स्कूलों के लिए सात हजार करोड़ का बजट तय कर दिया गया है। लेकिन, विभाग के अधिकारी दो साल बाद भी इसे जमीनी स्तर पर नहीं उतार पाए हैं। नतीजा राजधानी के मॉडल सीएम राइज स्कूल को छोड़कर कहीं सुविधाएं नहीं जुटाई गई हैं। जहांगीराबाद स्थित रसीदिया स्कूल को कॉन्सेप्ट स्कूल नाम देकर सीएम राइज स्कूल का मॉडल तैयार किया गया है। यहां स्मार्ट क्लास रूम एवं डिजिटल लर्निंग, फर्नीचर, डोर स्पोर्ट्स सुविधाएं, म्यूजिक रूम, कम्प्यूटर लैब और स्मार्ट टॉयलेट तैयार किए गए हैं। स्कूल भवन में आकर्षक पेंटिंग की गई है। जगह-जगह मॉडल बनाकर रखे गए हैं।

आधी-अधूरी व्यवस्थाओं के बीच एडमिशन शुरू-गौरतलब है कि सीएम राइज स्कूलों के निर्माण के लिए रसीदिया स्कूल में मॉडल तैयार किया गया है, जिसमें सभी सुविधाएं हैं। लेकिन उन पुराने आठ स्कूलों में अभी तक कोई सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में सर्व सुविधायुक्त 9200 स्कूल खोले जाने हैं। पहले चरण में इस सत्र से 274 स्कूल शुरू किए गए हैं। लेकिन ये स्कूल आधी-अधूरी व्यवस्थाओं के साथ चल रहे हैं। एडमिशन भी शुरू कर दिए गए हैं। टीटी नगर स्थित पुराने शा. उमावि कमला नेहरू स्कूल को सीएम राइज स्कूल बनाया गया है। यहां कॉन्सेप्ट के अनुसार पुताई करवा दी गई है। लेकिन यहां पहली और दूसरी के बच्चे दरी पर बैठकर पढ़ रहे हैं। चौथी और पांचवी की क्लास एक हॉल में ही लग रही हैं।

Ready to make policy changes for small entrepreneurs: Modi

PM Narendra Modi also said the focus of the government's policy is on the MSME sector to ensure that unique local products are able to reach the global markets and subsequently boost the Indian economy.

Modi also said the focus of the government's policy is on the MSME sector to ensure that unique local products are able to reach the global markets and subsequently boost the Indian economy. "You may be called micro, small or medium entrepreneurs, but your role is significant in India's ascend in the 21st century," Modi told entrepreneurs here at Vigyan Bhawan.

The Prime Minister's remarks came as he launched two schemes for the sector. The Raising and Accelerating MSME Performance scheme, with an outlay of around ?6,000 crore, aims to scale up the

implementation capacity and coverage of MSME across states, with impact enhancement of existing MSME schemes.

The second scheme, the Capacity Building of First-Time MSME Exporters (CBFTE), aims to encourage entrepreneurs and achieve international standards for export of products and services.

"Our government is taking decisions and making new policies keeping in mind your (MSMEs) ability and the immense potential of this sector," Modi said.

As the MSMEs account for almost one-third of India's economy, strengthening the sector will strengthen the entire society, he added.

In the last eight years, the government has increased the budget allocation for MSMEs by more than 60% to strengthen the sector, the Prime Minister said. "For us, MSME means maximum support to micro, small and medium enterprises," he said.

Modi also said that MSMEs are critical for employment generation as over 110 million people are connected with the sector. There was a time when previous governments did not recognise the importance of the MSME sector and shackled it by adopting policies that stunted their growth, Modi said.

"If any industry wants to grow and expand, then the government not only supports it but also makes necessary changes in the policies," he added.

High speed internet for every village

Modi, meanwhile, said the government is working to provide high-speed internet to every village.

Speaking at the inauguration of the new 'smart' campus of Bosch India, a leading supplier of technology and services in Bengaluru via video conference, Modi urged the world to make use of the opportunities in the digital and technology space and invest in India.

"Our vision of a Digital India includes integrating technology with every aspect of government. I would urge the world to make use of these opportunities and invest in our nation," he said.

Congress will return to power in 2023, says Siddaramaiah

The Karnataka Pradesh Congress Committee chief and Siddaramaiah both are aspirants for the top job if the party comes to power in next year's elections

Former chief minister and leader of the opposition Siddaramaiah on Thursday said that the Congress party will come to power in the 2023 assembly elections and win at least 130 out of the 224 seats in the state.

"There are 10-12 winning candidates for @INCKarnataka in each of the constituencies. BJP does not have this problem and they don't have roots everywhere. This is the reason why@BJP4Karnataka does Operation Kamala and takes MLAs from our party," Siddaramaiah said in a series of posts on Twitter.

The statements come at a time when the internal fighting within the Congress in Karnataka has reached the corridors of Delhi as Siddaramaiah and DK Shivakumar were recently summoned by the party high command to try and resolve their differences.

The Karnataka Pradesh Congress Committee (KPCC) chief and Siddaramaiah both are aspirants for the top job if the party comes to power in next year's elections. But their internal fight for dominance has dented the party's chances to capitalise on the shortcomings of the Basavaraj Bommai-led Bharatiya Janata Party (BJP) government in the state.

Meanwhile, workers and legislators loyal to Siddaramaiah have announced to hold a month-long birthday celebrations on their leader's birthday in August, calling it "Siddaramotsava" as a show of strength and stake his claim as the chief ministerial candidate before the state goes to the polls next year.

"I have never publicly celebrated my birthday. My friends and well-wishers are planning to celebrate it as I complete 75 years. This also becomes special as our leader Shri @RahulGandhi is coming to the program," Siddaramaiah said.

The party on Thursday inducted the Janata Dal (Secular) legislator Srinivas Gowda who cross-voted in the June 10 Rajya Sabha elections. Gowda was expelled for his actions by the JD(S). Former Mulbagal MLA Kothur Manjunath and former Chintamani MLA M C Sudhakar have also joined Congress.

CM Shri Chouhan pays homage to freedom fighter and eminent physician Dr. Bidhan Chandra Roy on his anniversary

Bhopal : Chief Minister Shri Shivraj Singh Chouhan today garlanded the picture of freedom fighter and eminent physician Dr. Bidhan Chandra Roy in the CM residence hall and reminisced him. The Chief Minister also recalled his achievements. Today is the birth anniversary and death anniversary of Dr. Roy. His birth anniversary is celebrated as National Doctor's Day.

Dr. Bidhan Chandra Roy was born on July 1, 1882 in Bankipur, Bihar. He was a skilled physician and freedom fighter. He is considered the architect of modern West Bengal. For his great achievements in the fields of politics and medicine and for the great services rendered to the country, he was awarded the most prestigious award of the nation "Bharat Ratna" in the year 1961.

Not resources but skill is must for self-employment: Governor Shri Patel

Bhopal : Governor Shri Mangubhai Patel has said that it is necessary to have knowledge, skill, morale and self-confidence for self-employment. Referring to the successful entrepreneurs of the country, he said that all of them started from a very small scale. Huge successes have been achieved through hard work and self-confidence. Governor exhorted the youth not to wait for jobs and establish self-employment through acquired skills.

Governor Shri Patel was addressing the participants at the concluding programme of Rural Tribal Technical Training by the Sandsadiya Sankul Yojana at Sandipani Auditorium in Raj Bhavan while distributing certificates. Training certificates and overall health certificates were provided to the tribal youth of Anuppur, Jhabua, Betul, Barwani, Khargone and Dhar districts of Madhya Pradesh including Gujarat, Maharashtra, Chhattisgarh and Rajasthan. Governor Shri Patel said that cooperation and support in the efforts of nation development is the responsibility of every individual and society. He appreciated the efforts of the tribal youth for skill upgradation and village development in the cluster development project. He said that skilled man-power is an important factor in the overall development of the country and the state. Skill development of youth is the cornerstone of Atmanirbhar Bharat, which is the national need of the present times. Governor Shri Patel said that ready-to-work human resource should be made available to the employers at the local level through employment-oriented training courses. Regular system of evaluation and monitoring of institutions is essential for quality skill training. The training institutes should also be given regular guidance and encouragement for better performance. Efforts should also be made for new methods and techniques of study and research to increase the efficiency of training institutes. He expected that it is also necessary to connect the rural tribal youth with employment at the local level and update them with new technology and knowledge in the project.

Jagannath Rath Yatra

Rath Yatra is one of the main festivals of Odisha that commemorates the annual journey of Lord Jagannath and his siblings, Balabhadra and Subhadra from the 12th century Jagannath Temple to their aunt's abode in Gundicha Temple. During Rath Yatra, a million devotees converge in Puri town believing that they would attain salvation by touching the ropes attached to the chariots. The legacy continues for 5000 years.

Every summer, on the second (Dwitiya) day of the bright fortnight (Shukla paksha) of Ashada (June-July), literally millions of pilgrims gather from all over India to join in the awesome and magnificent celebration in which the Supreme Personality of Godhead graces everyone – highborn or low, pure or impure, rich or poor – with his presence when he leaves his palatial temple and travels in the state to his peaceful summer retreat of Gundica.

The Gundica temple, founded in the 16th century, is another one of the most renowned temples in Puri. It is situated two miles northeast of the Jagannatha temple. At the time of the famous Ratha-yatra festival, Lord Jagannatha goes to the Gundica temple from His original temple and stays there for one week. After one week, He returns to His original temple.

This year due to pandemic devotees is unable to attend the annual ritual so celebrate the festival by sending our Rath Yatra wishes and quotes to your friends and family on this auspicious day.

Happy Jagannath Rath Yatra! May the felicity and harmonious relations, surround you with his endless, love and physical intensity.

This Puri Jagannath Rath Yatra, may you be blessed with Lord Jagannath, Balbhadra, and Subhadra's choicest blessings. A very blissful Rath Yatra to you and your loved ones.

- Greetings on the holy occasion of Rath Yatra, may the divine Trinity bestow upon us peace, prosperity, and good fortune.
- Dear devotee, may your hard efforts to serve the Lord and pull his chariot come off well. I truly hope you are showered with all that you need.
- May Lord Jagannath bless you in abundance and shower you with the virtue of truth. Happy Rath Yatra to all.
- The more faith you have in God, the less pain you shall feel while pulling the Rath. Invest your power in God and get back all the blessings.
- Let us celebrate the glory of Lord Jagannath on the auspicious occasion of the Rath Yatra. May Lord Jagannath bless you with peace, prosperity, and happiness.
- With so many people coming from the various corners of the world, it is important that you take care of yourself and stay safe while devoting to god with all your heart. Have a happy Rath Yatra.
- May every Indian be happy and prosperous on this Rathyatra Festival. Jai Jagannath!
- If your strength seems to fail during this auspicious task, just remember Lord Jaganath's brave tasks and let them inspire you.
- The challenge of a Rath Yatra is such that those who manage it shall find life less challenging.
- Jai Baba Jagannath! Let's celebrate the glory of Lord Jagannath to destroy the evil from the face of earth… Happy Jagannath Rath Yatra
- During the Rath Yatra, you might feel like dying from the pain, but once you complete it, you will feel like you've been born again. Bless you.
- Jagannath Rath Yatra ke shubh avsar par mere aur mere pariwar ki or se aap sabhi ki dheron shubh kamnayein.
- May Lord Jagannath bring in the best colors of success, prosperity, and happiness to your life. Wishing you and your family a blessed Rath Yatra!
- Jay Jagannath jisaka nam hai, Puri jisaka dham hai aise bhagvan ko ham sab ka pranam hai. Happy Jagannath Rath Yatra !
- Chandan Ki Khushbu, Resham Ka Haar, Bhadon Ki Sugandh, Barish Ki Fhuhaaar, Dil Ki Ummide, Apno Ka Pyar Mangalmay Ho Aapko Lord Jagannath Ka Tyohar. Happy Jagannath Rath Yatra!

PM calls for investments in digital and tech space

Bosch company officials listen to Prime Minister Narendra Modi as he virtually speaks during the inauguration of the Bosch India's new smart campus in Bengaluru on Thursday. (PTI)

Prime Minister Narendra Modi on Thursday emphasised on the importance of investing in digital sector, technology, innovation and sustainability that will power the country.

Modi said India is among the fastest growing major economies, and investments have picked up in the last two years."This is the era of technology. We all have seen the benefits of technology in the last two years when the world was fighting the biggest pandemic. Therefore, it is important to invest even further in tech and innovation," the Prime Minister said in a virtual address while inaugurating the smart campus of German automotive giants, Bosch, in Bengaluru.

"I am happy that Bosch India has worked not only on innovation but also in giving it scale. A key pillar in this will also be sustainability. India's growth is becoming greener with the installed capacity of solar energy increasing nearly 20 times in the last eight years. I was told that Bosch has achieved carbon neutrality both in India and outside. This is inspiring," he said.

Modi said India is among the fastest growing major economies, and investments have picked up in the last two years.

He said that it was a special occasion as Bosch was completing 100 years of its presence in India while the country was celebrating its 75 years of independence. "This campus will certainly take the lead in developing futuristic products and solutions for India and for the world," he said.

Modi listed the Union government's efforts to leverage technology like providing internet to every village in the country and urged the company to make more investments. "Our vision of a Digital India includes integrating technology with every aspect of government. I would urge the world to make use of these opportunities and invest in our nation," he said."Thanks to our youth, our start-up eco system is among the biggest in the world. In the tech world itself there are so many opportunities," he said.

He said that Bosch had managed to combine the best of German engineering and Indian energy to power the company.

"I urge Bosch to think of doing even more in India. Set goals for the coming 25 years of what your team can do. 100 years ago, Bosch came to India as a German company. But today, it is as much Indian as it is German. It is a great example of German engineering and Indian energy," he said.

Karnataka chief minister Basavaraj Bommai said that Bosch had "evolved" into a culture.

"Bosch is not just a manufacturing or software company. It has evolved into a culture. It has been made possible by its commitment and hard work. It is a dream company for young engineers to work with," he said.

The chief minister said that he wants Bosch to establish its best research centre of global standards in Bengaluru and assured full cooperation from the state government in this regard.

BoschIndia said it is expanding its AIoT (Artificial Intelligence of Things) activities in India by transforming its headquarters in Adugodi here into a new smart campus called Spark.NXT.Over the last five years, Bosch said it has made an investment of ? 800 crore in developing the campus, which has the capacity to potentially house 10,000 associates."The 76-acre site is Bosch's first smart campus in India and features multiple smart solutions based on sustainability, security, and user experience for associates, visitors, and facility management," the statement said. "The Spark.NXT campus will provide inspiring working conditions for associates to focus on the development of user-centric innovations for a better quality of life in India," said Filiz Albrecht, member of the board of management and director of Industrial Relations at Robert Bosch GmbH.

शहर सरकार के तेज हुआ प्रचार, भाजपा और कांग्रेस में छिड़ा वार

भोपाल। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव का घमासान चरम पर पहुंचने लगा है। पौ फटते ही भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के साथ ही दिग्गज नेता प्रचार के मोर्चे पर तैनात हो हो जाते हैं। भाजपा जहां विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है, वहीं कांग्रेस ने महंगाई को मुद्दा बना लिया है। हर रैली, सभा और बैठक में भाजपा और कांग्रेस एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज चुनाव प्रचार में पूरी ताकत से उतर गए हैं। भाजपा से एक बार फिर हमेशा की तरह स्टार प्रचारक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान है तो कांग्रेस से पूर्व उपमुख्यमंत्री कमलनाथ रोड शहर सरकार के शो कर रहे हैं। अमूमन नगरीय निकाय चुनाव स्थानीय मुद्दों पर होते हैं और इसमें सड़क, बिजली, पानी जैसे मुद्दे हावी रहते हैं, पर इस बार दिलचस्प यह है कि चुनाव से स्थानीय मुद्दे गायब हैं। कांग्रेस जहां महंगाई और भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था को चुनावी मुद्दा बना रही है तो भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव और उपचुनावों की तर्ज पर अपने विकास को जनता के सामने रख वोट मांग रही है।

कांग्रेस को बड़ी उम्मीद-मतदान अब बेहद करीब है। 9 दिन बाद करीब सोलह नगर निगमों

के मेयर समेत करीब साढ़े हजार पार्षदों का भाग्य मतपेटियों में कैद हो जाएगा। पिछली बार नगरनिगम के मेयर चुनाव में खाली हाथ रहने वाली कांग्रेस ने इस बार काफी सोच समझ कर प्रत्याशी उतारे हैं। जहां उसे ठीक प्रत्याशी नहीं मिला वहां उसने विधायकों पर दांव खेला तो जीत की संभावना को देखते हुए विधायक और पूर्व विधायक की पत्रियों को भी टिकट देने से संकोच नहीं किया वह इस बार मेयर चुनाव में कम से कम आधा दर्जन स्थानों पर जीत दर्ज करना चाहती है ताकि विधानसभा चुनावों से पूर्व उसके कार्यकर्ताओं में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हो सके। लिहाजा उसके नेता इन चुनावों में पूरी तरह एकजुट दिख रहे हैं।

दिग्विजय सिंह भी मोर्चे पर-पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जहां टिकट कटने से नाराज नेताओं के घर-घर जाकर उन्हें मना रहे हैं तो कमलनाथ लगातार शहरों में रोड शो कर भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। वे महंगाई, कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर तो बोल ही रहे हैं। 15 महीने बाद प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने का दावा भी कर रहे हैं। जाहिर है उनके इस दावे का सियासी अर्थ अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरना है।

शिवराज भाजपा के स्टार प्रचारक-मुख्यमंत्री शिवराज सिंह भाजपा के फिर स्टार प्रचारक हैं। लगभग सभी बड़े शहरों में पहले उन्होंने मेयर प्रत्याशियों के खुद जाकर नामांकन भरवाए और अब पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो और लगातार सभाएं भी कर रहे हैं। सीएम अपनी सभाओं में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं गिना रहे हैं तो किस शहर में भाजपा ने पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय में क्या किया, वे इसका भी हिसाब जनता को दे रहे हैं। 15 महीने के कांग्रेस शासन पर भी हमेशा की तरह जमकर प्रहार कर रहे हैं। सीएम के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा भी अपनी सभाओं में विकास को ही मुद्दा बना रहे हैं। भाजपा जनता के बीच इस बात को स्थापित करने का प्रयास कर रही है कि केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से समाज के हर वर्ग को कुछ न कुछ मिल रहा है। विकास के अलावा भाजपा नेता किसी अन्य मुद्दे को छू भी नहीं रहे हैं।

आप ने भ्रष्टाचार को बनाया मुद्दा-भाजपा के अलावा इस बार आम आदमी पार्टी ने भी शहर सरकार के चुनावों में एंटी मारी है। उसने आधा दर्जन शहरों में मेयर के प्रत्याशी खड़े किए हैं तो प्रदेश के हर छोटे बड़े शहर में कम वाडों पर ही सही पर उसके प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। चुनाव परिणाम आप को उसकी ताकत का अहसास कराएंगे।

आप भ्रष्टाचार को मुद्दा बना रही है। बसपा और सपा ने भी प्रत्याशी उतारे हैं पर उनका असर सीमित इलाकों में ही देखने को मिल रहा है। इन दलों का कोई बड़ा नेता भी चुनाव प्रचार के लिए मध्यप्रदेश नहीं आ रहा है। भाजपा का विकास का मुद्दा कितना कारगर रहता है यह चुनाव परिणाम में सामने आएगा। चुनाव प्रचार में अब तक राजनीति के लिए संतोष की बात यह है कि दोनों दल भाजपा हो या कांग्रेस इस बार इसके नेता भाषा के संयम को खो नहीं रहे हैं और ओछे आरोप एक दूसरे पर नहीं लगा रहे हैं।

पोषण मटका के लिए सामग्री दान नहीं दे रही है जनता

भोपाल। प्रदेश के महिला एवं बाल विकास विभाग के तमाम प्रयासों के बाद भी जनता पोषण मटका के लिए सामग्री दान नहीं दे रही है। इस कार्यक्रम में आम जनता की अरुचि

बडी बाधा बनकर सामने आई है। अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षकों को पोषण मटका हेतु सामग्री जुटाने के लिए जनसमुदाय को प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने जिलों का दौरा किया तो हकीकत सामने आई। अधिकारियों ने इस पर भी नाराजगी जताई कि कुछ पोषण कार्नर में सामग्री आ भी रही है तो वह बच्चों की पहुंच से काफी दूर है, जबकि निर्देश हैं कि सामग्री ऐसे स्थान पर रखी जानी चाहिए, जहां बच्चों का आसानी से हाथ पहुंच जाए।राज्य सरकार ने कुपोषण दूर करने के लिए पोषण मटका कार्यक्रम दोबारा शुरू किया है। इसके तहत प्रदेश के सभी 97135 आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण कार्नर शुरू किए गए हैं। इनमें बच्चों के लिए लड्डू, मठरी, नमकीन, मुरमुरे, बिस्किट, भुना चना-गुड़ आदि रखना है। ताकि वे अपनी इच्छा के अनुसार उठाकर खा सकें और उन्हें रोका-टोका भी न जाए। करीब एक महीने से चल रहे पोषण कार्नर का निरीक्षण पिछले दिनों विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। अधिकतर जगह उन्हें यही बताया गया कि पोषण मटका के लिए आमजन से सामग्री नहीं मिल पा रही है। कार्नर के लिए सामग्री जन सहयोग से इकट्ठी करनी है। कलेक्टरों से कहा गया है कि वे स्थानीय स्तर पर अभियान चलाकर आमजन को अनाज देने के लिए प्रेरित करें। प्रशासन स्तर पर जन सहयोग का माडल फेल हो गया। अब विभाग के संचालक डा. राम राव भोंसले ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों को यही जिम्मा सौंपा है।

इंदौर की दो कालोनियों के घरों में एक माह से आ रहा गंदा व बदबूदार पानी

इंदौर। इंदौर के महालक्ष्मी नगर व साईंकृपा कालोनी के घरों में पिछले एक माह से नर्मदा की पाइप लाइन के जरिए गंदा पानी घरों में पहुंच रहा है। रहवासी अपनी समस्याओं के बारे में सीएम हेल्पलाइन से लेकर नगर निगम के अफसरों को अवगत करवा चुके हैं लेकिन अभी तक उनकी समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है। निगम के अफसर भी नर्मदा पाइप लाइन के लीकेज को खोजने में अब तक नाकाम है।

अफसरों का कहना है कि वे पाइप लाइन की सफाई करवा रहे हैं ताकि यदि कहीं पाइप लाइन में मिट्टी जमा हो तो वह निकल जाए। हालात यह है कि घरों में नर्मदा का गंदा पानी आने के कारण इस क्षेत्र के अधिकांश रहवासी बोरिंग व टैंकरों से आने वाले पानी पर निर्भर हैं। यहां के लोगों को पानी के प्राइवेट टैंकर बुलवाने पड़ रहे हैं, जिनके लिए उन्हें राशि चुकाना पड़ रही है। निगम के टैंकर भी अभी कम संख्या में पहुंच रहे हैं।

महालक्ष्मी नगर क्षेत्र के रहवासी ब्रजेश पचौरी के मुताबिक पिछले एक माह से घरों के नलों में गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। नगर निगम के अफसरों को कई दिनों से शिकायत कर रहे

हैं लेकिन अभी तक हमारी समस्याओं का कोई निराकरण नहीं हुआ। महालक्ष्मी नगर ए सेक्टर के रहवासी नितिन माहेश्वरी का कहना है कि घरों के नलों में गंदा व बदबूदार पानी आ रहा है। इसे पीना भी संभव नहीं है। ऐसे में बोरिंग से ही पानी लेना पड़ रहा है।

पाइप लाइन को साफ करवा रहे - नर्मदा प्रोजेक्ट के कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव का कहना है कि साईंकृपा कालोनी की पानी की टंकी से जुड़े कई इलाकों में गंदा पानी आने की शिकायत हमें मिली है। पाइप लाइन की जांच की है लेकिन हमें अभी तक कहीं भी लीकेज नहीं मिला है। हम पाइप लाइन साफ करवा रहे ह

इंदौर के ठगोरों ने आयुर्वेदिक दवा कंपनी की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर 36 लाख रुपये हड़पे

इंदौर। इंदौर के तीन लोगों ने नेचुरल हर्बल साइंस नाम की आयुर्वेदिक दवा कंपनी की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर फरीदाबाद निवासी प्रीतपाल सिंह से 36 लाख रुपये हड़प लिए। इंदौर

क्राइम ब्रांच ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपित देशभर में कई लोगों से ऐसे ही करोड़ों रुपये ठग चुके हैं। आरोपितों की इंदौर में रिंग रोड स्थित अमनदीप प्लाजा में नेचुरल हर्बल साइंस नाम से आयुर्वेदिक दवा कंपनी है।इंदौर क्राइम ब्रांच ने बताया आरोपित प्रवेश राय, नितिन गड़गे और मोहितनी सोनी खुद ही ग्राहक बनकर प्रीतपाल सिंह को दवा का आर्डर देते थे। इसके बाद प्रीतपाल सिंह दवा खरीदने के लिए इन आरोपितों के पास ही रुपये जमा करवाते थे। आरोपितों ने दवा नहीं भेजी सिर्फ रुपये जमा करवाते रहे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बारिश में जलजमाव की परेशानी भुगत रहा इंदौर, योजना ही बना रहे निगम अफसर

इंदौर। इंदौर में 50 मिमी बारिश में ही कई इलाकों की सड़के जलमग्न हो जाती हैं। नगर निगम द्वारा अभी तक शहर में सिर्फ 500 किलोमीटर की प्रमुख सड़कों पर ही स्टार्म वाटर लाइन डाली गई है। अभी भी शहर में 600 किलोमीटर से ज्यादा सड़कों पर बारिश के पानी की निकासी के लिए स्टार्म वाटर लाइन डाले जाने की जरूरत है लेकिन निगम के अफसर अभी तक इसके लिए योजना ही बना रहे हैं। पिछली बारिश में बीआरटीएस, विजय नगर सहित कई इलाकों में सड़कों पर जल जमाव की समस्या के निराकरण के लिए निगम ने योजना बनाई थी। 20 करोड़ रुपये खर्च कर करीब 40 किलोमीटर की सड़कों पर स्टार्म वाटर लाइन डालने का काम शुरू किया।

नगर निगम के जनकार्य विभाग के इंजीनियर

लक्ष्मीकांत बाजपेयी के मुताबिक मेघदूत गार्डन के सामने वाला चौराहा व स्कीम नंबर 54 की कालोनियों में बारिश के पानी की निकासी के लिए निगम द्वारा स्टार्म वाटर लाइन डाली जा रही है। इसके अलावा बीआरटीएस पर एलआइजी चौराहे पर भी स्टार्म वाटर लाइन डालने का काम चल रहा है। रेवेन्यू नगर, कृष्ण वाटिका सहित करीब 10 स्थानों की प्रमुख सड़कों पर स्टार्म वाटर लाइन डाली जा रही है। निगम के अफसरों के मुताबिक अभी जिन भी स्थानों पर स्टार्म वाटर लाइन डालने का काम चल रहा है, वो 30 जून तक पूरा हो जाएगा। शहर में 30 से 40 स्थान ऐसे भी चिन्हित किए गए हैं, जहां जल जमाव की समस्या रहती है। ऐसे में निगम द्वारा अब इन स्थानों पर भी वर्षा के पानी की निकासी की योजना बनाई जा रही है।

बारिश के दौरान कई चौराहों पर लगता है जाम - उल्लेखनीय है कि थोड़ी ही बारिश में इंदौर के कई चौराहों पर जल जमाव हो जाता है। इससे वाहन चालकों को परेशानी आती है। इस दौरान इन चौराहों पर वाहनों का जाम भी लग जाता है। पिछले दिनों बारिश में भी यह स्थिति बनी थी।

हर हर महादेव के जयकारे के साथ अमरनाथ यात्रा के लिए पहला जत्था रवाना, जम्मू-कश्मीर के LG मनोज सिन्हा ने दिखाई हरी झंडी

नुनवान (जम्मू-कश्मीर)। हर हर महादेव - जय शिव शंकर के नारे लगाते हुए भगवान भोलेनाथ के भक्त उनके दर्शन करने के लिए अमरनाथ की यात्रा के लिए निकल गये हैं। 30 जून को देर रात यात्रा के लिए पहला जत्था रवाना हुआ। कहते हैं भगवान शिव ने अमरनाथ में सालों तक तपस्या की थी। यहा मां पार्वती ने शक्ति के रूप में आने के लिए कड़ी परीक्षा दी थी। शिव और पार्वती के मिलन का प्रतीक है अमरनाथ! शिव के भक्तों के लिए यह पावन धरती है इसी कारण कड़ी चढाई के साथ अमरनाथ की गुफा के दर्शन के लिए श्रद्धालू

आते हैं।

अमरनाथ यात्रा से पहले, उधमपुर जिले में काली माता मंदिर के पास जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग, मंथल पर सुरक्षा कड़ी कर दी गयी। कई बार धर्मिक स्थलों को आतंकियों की तरफ से निशाना बनाने की कोशिश की जाती रही हैं। इस लिए 2 साल बाद फिर से शुरू हुई यात्रा को लेकर काफी सतर्कता बरती जा रही हैं। जम्मू-कश्मीर एलजी मनोज सिन्हा ने जम्मू बेस कैंप से अमरनाथ यात्रा तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। यात्रा 30 जून से शुरू हुई। तीर्थयात्री दो साल के अंतराल के बाद 30 जून से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा से पहले जम्मू पहुंचते हैं। एक तीर्थयात्री ने कहा कि 'हम बाबा भोलेनाथ की पूजा करने के लिए 2 साल से इंतजार कर रहे थे, उनके दर्शन के लिए जाते वक्त बहुत खुशी हो रही है।

नुनवान आधार शिविर से 2,750 तीर्थयात्रियों के एक जत्थे के दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित गुफा मंदिर के लिए रवाना होने के साथ ही वार्षिक अमरनाथ यात्रा 30 जून को शुरू हो गई। उपायुक्त पीयूष सिंगला ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में नुनवान आधार शिविर से तीर्थयात्रियों के जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सिंगला ने बताया कि 43 दिवसीय तीर्थयात्रा का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं।

आदिवासी महिला होने के कारण ही दिया द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन-मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती

ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि सिर्फ अनुसूचित जनजाति की महिला होने के कारण ही उनकी पार्टी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव के लिए समर्थन देने का ऐलान किया है और इसे सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की हिमायत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। मायावती ने प्रदेश के सभी 18 मंडलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा अन्य प्रमुख जिम्मेदार पदाधिकारियों की बैठक में देश में अगले राष्ट्रपति के लिए हो रहे चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि बसपा ने अनुसूचित जनजाति समाज की महिला द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किसी व्यक्ति अथवा पार्टी विशेष की बजाय अनुसूचित जनजाति समुदाय के बहुजन समाज के अभिन्न अंग होने के नाते किया है। उन्होंने स्पष्ट किया, '' बसपा ने यह फैसला स्वतंत्र होकर किया है तथा यह न तो सत्ताधारी राजग के पक्ष में है और ना ही विपक्षी संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के खिलाफ।

संजय राउत ने उद्धव ठाकरे के इस्तीफे पर कहा, महाराष्ट्र ने एक सभ्य मुख्यमंत्री खोया

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार रात कहा कि महाराष्ट्र ने उद्धव ठाकरे के रूप में एक समझदार और सभ्य मुख्यमंत्री खो दिया है, जिन्होंने शालीनता से पद छोड़

दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उनकी रुचि 'संख्याबल के खेल' में नहीं है और इसलिए वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। राउत ने ट्वीट किया, ''मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे) ने शालीनता से पद छोड़ दिया है। हमने एक समझदार और सभ्य मुख्यमंत्री खो दिया है।'' राउत ने कहा कि वे शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ाएंगे और जेल जाने को तैयार हैं।

उन्होंने कहा, ''धोखेबाजों का अंत कभी अच्छा नहीं होता और इतिहास इसे साबित कर सकता है। अब, यह शिवसेना की भारी जीत की शुरुआत है। हम लाठियों का सामना करेंगे, जेल जाएंगे लेकिन बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को जिंदा रखेंगे।'' राउत ने यह भी कहा कि वह 2019 में मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए बाल ठाकरे के बेटे उद्धव को राजी करने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार के भी आभारी हैं। उन्होंने कहा, ''पवार ने अपना मार्गदर्शन दिया। जब उनके (उद्धव ठाकरे) लोग (शिवसेना के बागी विधायक) उनकी पीठ में छुरा घोंप रहे थे, पवार मजबूती से उद्धव के पीछे खड़े रहे।''राउत ने कहा कि कांग्रेस नेता हमेशा सरकार के साथ रहे। उन्होंने कहा, ''सत्ता आती-जाती है और यहां कोई भी स्थायी रूप से सत्ता में रहने के लिए नहीं है।'' उन्होंने यह भी कहा कि न्याय अवश्य होगा।

राउत ने कहा, ''यह अग्निपरीक्षा का समय है। ये दिन जल्द ही बीत जाएंगे।'' इससे पहले उन्होंने कहा था कि ठाकरे जिम्मेदारी से भागने वाले नहीं हैं और वह अंत तक लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि शिवसेना फिर से उठेगी और एक शिवसैनिक फिर से मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने कहा, ''उद्धव ठाकरे हमारे नेता हैं। उन्हें जिस तरह का समर्थन है..वह अंत तक लड़ेंगे।'' राउत ने भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि जो सत्ता हथियाना चाहते हैं वे ऐसा कर सकते हैं लेकिन भविष्य शिवसेना का होगा।

ऑल्ट न्यूज़ के सह-संस्थापक को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली। ऑल्ट न्यूज़ के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तारी किया।

मोहम्मद जुबैर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप है, जिसके चलते उनकी गिरफ्तारी हुई। इस संबंध में ऑल्ट न्यूज़ के सह-संस्थापक प्रतीक सिन्हा का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने बताया कि एफआईआर की कॉपी भी नहीं उपलब्ध कराई जा रही है। ऑल्ट न्यूज़ के सह-संस्थापक प्रतीक सिन्हा ने मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी के संबंध में एक प्रेस नोट ट्वीट किया। जिसमें उन्होंने बताया कि मोहम्मद जुबैर को 2020 के एक मामले में जांच के लिए दिल्ली के विशेष प्रकोष्ठ ने आज बुलाया था, जिसके लिए उन्हें पहले से ही उच्च न्यायालय से गिरफ्तारी के खिलाफ संरक्षण प्राप्त था। हालांकि, आज शाम लगभग 6 बजकर 45 मिनट पर हमें बताया गया कि उन्हें किसी अन्य एफआईआर में गिरफ्तार किया गया है, जिसके लिए कोई नोटिस नहीं दिया गया था, जो उन धाराओं के लिए अनिवार्य है जिनके तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

सड़क, बिजली, पानी के लिए तरस रहे प्रदेश के हजारों गांव

भोपाल। त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान प्रदेश में गांवों की बदहाली की ऐसे तस्वीरें आ रही हैं जो डिजिटल इंडिया के इस दौर में हैरान करने वाली हैं। एक ओर जहां केंद्र और राज्य सरकार गांव-गांव तक सौभाग्य योजना के तहत बिजली कनेक्शन, नलजल योजना के तहत पानी, प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत मार्ग प्रदान करने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में हजारों ऐसे गांव हैं जहां की आबादी सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए तरस रही है।

हैरानी की बात यह है की डिजिटल इंडिया के इस दौर में आज भी प्रदेश के गांवों की आधी आबादी शुद्ध पानी के लिए तरस रही है। वहीं 2081 गांव अब तक अंधेरे में हैं, वहीं 2200 गांवों तक सड़क भी नहीं पहुंच पाई है। पंचायत चुनावों में सीधे तौर पर कोई राजनीतिक दल सामने नहीं है पर उम्मीदवारों की राजनीतिक आस्थाएं जरूर हैं। चुनाव के बाद दावे होंगे कि हमारे इतने पंच-सरपंच या जनपद और जिला पंचायत सदस्य जीतकर आए हैं। लेकिन, जीत के बाद जनप्रतिनिधि इन गांवों का कितना भला

कर पा रहे हैं, यह किसी से छुपा नहीं है। गांवों में लोग आज भी पानी, बिजली, सड़क आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं।

आधी आबादी अभी भी प्यासी-प्रदेश में हजारों गांवों में वर्षों से ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। गांव की पुरुष और महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी लाकर अपनी प्यास बुझाने को मजबूर हैं।ये हालत तब है जबकि प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार पेयजल आपूर्ति के लिए कई योजनाएं चला रही है। इनके प्रचार पर ही हर साल करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 5,62,736 हैंडपंप अब तक लगे हैं। इनमें से 32,994 खराब हैं। जलस्तर कम होने से 24,285 हैंडपंप बंद हो गए। गर्मी में 22 गांवों में पेयजल बाहर से लाया गया। घरों तक नल से पानी पहुंचाने के लिए 17,177 गांवों में नल-जल योजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें से 16008 में चालू है, जबकि 1169 गांवों में बंद पड़ी हैं। जल जीवन मिशन में ग्रामीण क्षेत्रों में 90.27 लाख घरेलू कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया था। इस योजना में 29,180 गांव कवर किए गए हैं। इनमें से 4612 गांवों में ही सभी घरों में कनेक्शन लग पाए हैं। अब तक कुल 50.63 लाख कनेक्शन लगाने का दावा किया जा रहा है। फिर भी आधी आबादी प्यासी है। इस महीने डेढ़ लाख कनेक्शन का लक्ष्य था, 46500 ही लग सके।

2081 गांव अभी भी अंधेरे में-पंचायत चुनाव के इस दौर में कई गांवों ने चुनाव के बहिष्कार का ऐलान किया है कि जब तक उनके गांव में बिजली नहीं आएगी, वे वोट नहीं डालेंगे। दरअसल प्रदेश में हजारों गांव ऐसे हैं जहां अभी तक बिजली नहीं पहंची है। प्रदेश में कुल 1.66 करोड़ बिजली कनेक्शन हैं, इनमें से 1.12 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में और 54 लाख शहरी क्षेत्रों में हैं। ग्रामीणों और किसानों के लिए ऊर्जा विभाग ने इंदिरा गृह ज्योति, अटल किसान ज्योति, उदय और सौभाग्य जैसी कई योजनाएं बनाई। राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए। इसके बावजूद 2081 गांव अभी भी अंधेरे में हैं।

2200 गांव में सड़क ही नहीं-मप्र में सरकारी दावों के अनुसार सड़कों का जाल गांव से लेकर शहर तक बिछा हुआ है। लेकिन हकीकत यह है कि अभी भी लगभग 2200 गांव में सड़क नहीं पहुंच सकी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 90,577 किलोमीटर लंबी सड़कें बनना थी। अभी 5 हजार किमी सड़कें बाकी हैं। हालांकि योजना में लगभग 17 हजार करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। राज्य सरकार ने इस साल बजट में 3 हजार किमी लंबी नई सड़कें बनाने और 1250 किमी सड़कों के नवीनीकरण का प्रावधान किया है। इनमें गांवों की 709 सड़कों को लिया गया है। जिलों से जुडने वाली 111 सड़कों का अपग्रेडेशन और 31 सड़कों की मरम्मत का वादा किया है। सड़कों के लिए राज्य सरकार को केंद्रीय सड़क निधि से भी पैसा मिला है। इस साल प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 4584 किमी और मुख्यमंत्री ग्रांम सड़क योजना में 1200 किमी सड़कें बनाने का लक्ष्य है।

एक तरफ जल रही कन्हैया लाल की चिता, दूसर तरफ बेटे लगा रहे गुहार-पिता को मिल रही थी धमकियां, पुलिस ने नहीं की कोई कार्रवाई

उदयपुर। राज्यस्थान की बर्बर घटना कि देश में चारो ओर निंदा हो रही है। एक तरफ मृतक कन्हैया लाल की चिता जल रही है वहीं उनके दोनों बेटे ये गुहार लगा रहे हैं कि जिस तरह से नाइंसाफी हुई है और वक्त रहते कार्रवाई नहीं की गई है। इस पर सख्त से सख्त एक्शन लेकर लिया जाए। इंडिया टुडे से एक्सक्लूसिव बात करते हुए पीड़ित कन्हैया लाल के बेटों और तरुण ने कहा कि उनके पिता को नियमित रूप से धमकी भरे फोन आते थे। यश ने पुलिस को भी इसके बारे में बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि, पुलिस ने उसकी

शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की।

कन्हैया लाल के बेटे ने कहा कि एक पोस्ट गलती से शेयर हो गई थी। उसके चक्कर में पिताजी पर सामने वाले पक्ष ने एफआईआर कर दी थी। उसके लिए पापा को थाने बुलाया गया था। 24 घंटे बिठाकर रखा गया था। हमने अगले दिन बेल करवाकर छुड़वा लिया था। फिर चार से पांच दिन तक हमने दुकान नहीं खोली। हमें प्रशासन की तरफ से मना किया गया था कि आपको छोड़े दिन दुकान नहीं खोलनी है। यहां पर आपको बता दें कि मृतक कन्हैया लाल धानमंडी स्थित भूतमहल के पास सुप्रीम टेलर्स नाम से दुकान चलाते थे।

उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद फिर कहा गया था कि समझौता कर लेंगे। समझौते की बात के लिए पापा और उनके कुछ दोस्त धानमंडी थाने में गए थे। फिर केस वापस ले लिया गया। फिर कहा गया था कि अब कुछ नहीं होगा। लेकिन दो तीन दिन बाद किसी ने दुकान पर आकर धमकी दी। कहा गया था कि आप बचोगे नहीं। उसके पांच से छह दिन बाद ये वारदात को अंजाम दिया गया। हमारी पिताजी को मार दिया गया। मेरे पिताजी रोज की तरह सुबह 10 बजे अपने टेलर शॉप के लिए निकले थे। लेकिन उसके बाद उनके मौत की खबर आई।

कन्हैया लाल के बेटों ने कहा कि जिस तरह की धमकी आ रही थी उसके मद्देनजर हमने भी एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सेल्फ डिफेंस में कि ऐसा कुछ होता है तो हमें भी सुरक्षा मिले, एक दो दिन मिला भी लेकिन उसके बाद फिर लापहवाही से हटा दिया गया। उनके तरफ से थोड़ी सुरक्षा और मिलती तो शायद मेरे पिता बच जाते। इसलिए पुलिस की भी गलती है।

आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 पर फुल बॉडी स्कैनर का परीक्षण शुरू किया

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 पर मंगलवार को मिलीमीटर वेव-आधारित फुल-बॉडी स्कैनर का परीक्षण शुरू किया गया। यह जानकारी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के ऑपरेटर ने देते हुए बताया। अधिकारियों ने दावा किया कि यह यात्रियों की गोपनीयता भंग नहीं करता है। फुल-बॉडी स्कैनर नॉन मेटल धातुओं का पता लगा सकता है, जिनका पारंपरिक डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर से पता लगाना मुश्किल होता है। डायल ने इसके परीक्षण के लिए सुरक्षा जांच क्षेत्र में फुल-बॉडी स्कैनर इस्टॉल किया है, जो रीयल टाइम के आधार पर आयोजित किया जाएगा। रीयल टाइम परीक्षण 45 से 60 दिनों के लिए किया जाएगा, और सभी हितधारकों जिसमें नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, डायल और यात्रियों की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके पूरा होने के बाद निष्कर्षों को नियामक निकायों के साथ साझा किया जाएगा और उसके अनुसार आगे की कार्रवाई का निर्णय लिया जाएगा। डायल ने कहा कि परीक्षण में नया एडवांस स्कैनर सही पाया गया है, इसमें स्वास्थ्य जोखिमों के संबंध में चिकित्सा अनुमोदन है, और गोपनीयता की कसौदी पर पूरी तरह से उत्तरदाई है। यह यात्रियों के कपड़ों के नीचे छिपी किसी भी चीज को सामने ला सकता है, यह पैट-डाउन और स्ट्रिप खोजों की संख्या को कम कर सकता है। डायल ने आगे कहा, यह कर्मियों को असहज स्थिति से बचाता है और सुरक्षा जांच में तेजी लाता है।

मुख्यमंत्री ने भोपाल में किया रोड शो

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने बुधवार को भोपाल महापौर प्रत्याशी श्रीमती मालती राय और पार्षद प्रत्याशियों के समर्थन में नरेला विधानसभा के विभिन्न वार्डो में रोड शो कर जनता का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने भोपाल का विकास किया है। कांग्रेस का विकास से कोई नाता नहीं है। अगर गलती से कांग्रेस आ गयी तो भोपाल का विकास रूक जायेगा। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री का जगह जगह आम जनता ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

रोड शो के दौरान कई स्थानों पर योजना के लाभान्वित हितग्राही 'मुख्यमंत्री जी का आभार' लिखी हुई तख्तियां अपने हाथों में लिए स्वागत के लिए खडे थे। चौक, चौराहे पार्टी के झंडे बैनर से सजे हुए थे और कार्यकर्ता हाथों में पार्टी का झंडा लिए भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाते हुए आगे चल रहे थे। कार्यकर्ता रोड शो में पुष्पवर्षा करते हुए भोपाल की राय, मालती राय के नारे लगा रहे थे। रोड शो में उत्सवी माहौल था। ढोल, मंजीरे, ताशों की आवाज के साथ कार्यकर्ता नाचते हुए रोड शो में चल रहे थे। मुख्यमंत्री जब वार्ड की गलियों से निकले तो हर कोई उन्हें देखने के लिए घर के छज्जों और बालकनी में खडे थे। कई स्थानों पर हाथों में पूजन थाली लिए हुए लाडली लक्ष्मियां ने मुख्यमंत्री की आरती उतारकर स्वागत किया।

भाजपा सरकार ने दी भोपाल को कई सौगात- मुख्यमंत्री ने रोड शो के दौरान जनता से संवाद करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने भोपाल को देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर बनाया। भाजपा की सरकार ने भोपाल में सावरकर सेतु, राजा भोज सेतु जैसे अनेक ब्रिज सहित कई सौगातें दी। हमने नर्मदा मैया का पानी भोपाल की जनता को दिया। 2003 के पहले जब कांग्रेस सरकार थी, तब पूरे मध्यप्रदेश को बर्बाद कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी विकास की पर्याय और कांग्रेस विनाश की। हमने प्रदेश का विकास कर विकसित प्रदेश की श्रेणी में लेकर आये। कांग्रेस के जमाने में भोपाल शहर में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे रहते थे, बदबू आती थी। हमने भोपाल को सुंदर और क्लीन सिटी-ग्रीन सिटी बनाया है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने नरेला विधानसभा के संजीवनी ओल्ड सुभाष नगर चौराहा से से रोड शो की शुरूआत की। उनके साथ प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, महापौर प्रत्याशी श्रीमती मालती राय, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, पार्षद प्रत्याशी अशोक वाणी, विमलेश सिंह ठाकुर, सूर्यकांत गुप्ता, श्रीमती श्रद्धा दुबे सहित पार्टी के पार्षद प्रत्याशी, वरिष्ठ नेता रोड शो में शामिल थे। यहां से मुख्यमंत्री रोड शो में जनता का आशीर्वाद लेते हुए आगे बढ रहे थे।

कन्हैया लाल के घर पहुंचे अशोक गहलोत पीड़ित परिवार को सौंपा 51 लाख का चेक

उदयपुर। उदयपुर की घटना को लेकर राजस्थान से लेकर यूपी-एमपी तक प्रदर्शन हो रहे हैं। एनआईए की टीम दोनों आरोपियों के सोशल मीडिया पोस्ट और चैटिंग के डिटेल हासिल करने के लिए साइबर और फोरेंसिक टीम से मदद ले रही है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र यादव, मुख्य सचिव ऊषा शर्मा, पुलिस महानिदेशक एम. एल. राठौड़ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

पचास लाख के मुआवजा और दोनों बेटों को सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मृतक कन्हैया लाल के परिवार को 51 लाख रुपये का चेक सौंपा।

उदयपुर की घटना पर राजस्थान सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। जिस तरह से हत्या की गई वो जघन्य अपराध है। हमने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों मुजरिमों को पकड़ लिया। रात भर में पता लगा लिया गया कि इनका अंतराष्ट्रीय संगठनों से संबंध था। इसका मतलब है कि यह घटना आंतकवाद से संबंधित थी। यह कोई दो धर्मों के बीच का झगड़ा नही था। यूएपीए की धाराओं में केस दर्ज़ कर लिया गया है, जिसके बाद एमआईए ने यह केस ले लिया है। एनआईए त्वरित कार्रवाई करते हुए मुजरिमों को जल्द सजा दिलवाए।

आरोपितों को जमानत मिलेगी या नहीं, बहस पूरी, आदेश सुरक्षित

इंदौर। भय्यू महाराज आत्महत्या मामले में बुधवार को आरोपितों की जमानत पर बहस हुई। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। गौरतलब है कि भय्यू महाराज ने 12 जून 2018 को कनपट्टी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।इसके करीब छह माह बाद पुलिस ने महाराज को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में उन्हीं के तीन सेवादार पलक, विनायक और शरद को गिरफ्तार किया था। तीन साल में 32 गवाह और 150 पेशी के बाद 27 जनवरी 2022 को जिला न्यायालय ने तीनों आरोपितों को छह-छह साल की सजा सुनाई थी। आरोपितों ने इस फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। इधर महाराज की दूसरी पत्नी आयुषी ने भी आरोपितों की सजा बढ़ाए जाने की मांग करते हुए याचिका दायर की है।

मुद्रक एवं प्रकाशक संजय अग्रवाल द्वारा गोल्ड कॉईन सेवा ट्रस्ट के पक्ष में राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित तथा 54-55, चाणक्यपुरी, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संजय अग्रवाल* (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)